University in News on 20 April 2025

i-NEXT PAGE 5

एआई में इंजीनियरिंग के लिए एलयू है बेस्ट

एकेटीयू में भी आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस में ग्रेजुएशन के ऑप्शन

मिशन एडमिशन

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (19 April): आज के टाइम में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की फील्ड तेजी से डेवलपमेंट हो रही है. ऐसे में स्टूडेंट्स के बीच एआई में करियर अपॉर्चुनिटीज को लेकर काफी कंफ्यूजन रहता है. एआई में करियर अपॉर्चुनिटीज, कोर्सेज और एलिजिबिलिटी को लेकर हमने बात की एआई रिसर्चर डॉ पुनीत मिश्रा से, जिन्होंने हमें बताया कि किन कोर्सेज के जरिए स्टूडेंट्स इस फील्ड में अपना करियर बना सकते हैं...

ये हैं करियर ऑप्शन्स

1. **एआई इंजीनियर-** एआई इंजीनियर के तौर पर आईटी सेक्टर में कई जॉब अपॉर्चुनिटीज है और आने वाले टाइम में जैसे-जैसे एआई ग्रो करेगा, आपका करियर भी ग्रो करेगा.
2. **सॉफ्टवेयर डेवलपर-** आजकल आईटी सेक्टर में सॉफ्टवेयर डेवलपर का भी बड़ा रोल है, जिसमें करियर भी ब्राइट है और पैकेज भी अच्छा मिलता है.
3. **डाटा साइंटिस्ट-** डाटा साइंटिस्ट या फिर डाटा एनालिस्ट की आजकल हर सेक्टर में डिमांड है और ये इमर्जिंग करियर फील्ड है.
4. **रोबोटिक इंजीनियर-** एआई के साथ ही साथ रोबोटिक्स सेक्टर भी तेजी से ग्रो कर रहा है. ऐसे में मैन्युफैक्चरिंग और लॉजिस्टिक्स सेक्टर में रोबोट्स की भी डिमांड है.

ये हैं कोर्सेस

1. **बीटेक इन कंप्यूटर साइंस**
बीटेक इन कंप्यूटर साइंस 12 वी के बाद किया जाने वाला कोर्स है. जिसमें स्टूडेंट्स को कंप्यूटर साइंस के साथ ही एआई के बारे में जानकारी दी जाती है. इस कोर्स से आप आईटी सेक्टर, ई-कॉमर्स, हेल्थकेयर सेक्टर में अच्छे पैकेज पर काम कर सकते हैं. सीएस में बीटेक करने के लिए आप आईआईटी के अलावा लखनऊ यूनिवर्सिटी, एकेटीयू में एडमिशन ले सकते हैं.

2. **बीटेक इन एआई एंड एमएल**
एआई और एमएल मतलब मशीन लर्निंग इनमें बैचलर करके आपको एआई और मशीन लर्निंग सेक्टर में बेस्ट अपॉर्चुनिटीज मिल सकती हैं. इसमें आप एआई डेवलपर, एआई मॉडल ट्रेनर के तौर पर बेहतरीन फ्यूचर के साथ करियर की शुरूआत कर सकते हैं. एआई में बीटेक करने के लिए आप आईआईटी के अलावा लखनऊ यूनिवर्सिटी या फिर एकेटीयू में एडमिशन ले सकते हैं क्योंकि दोनों ही यूनिवर्सिटीज ने इसी साल से एआई में बीटेक की शुरूआत की है.

3. **बीएससी इन डाटा साइंस**
अगर आप एआई के फील्ड में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो डाटा साइंस में बीएससी भी कर सकते हैं. इससे आपको एआई और मशीन लर्निंग के फील्ड में खुद को एस्टाब्लिश करने में हेल्प मिलेगी. डाटा साइंस में बैचलर करने के लिए आप आईआईआईटी लखनऊ में एडमिशन ले सकते हैं.

4. **बीएससी इन कंप्यूटर साइंस**
कंप्यूटर साइंस में बीटेक के अलावा बीएससी का भी ऑप्शन मौजूद है, जिसमें आपको एआई और कंप्यूटर साइंस एंड मॉडल्स के बारे में सिखाया जाता है. कंप्यूटर साइंस में बीएससी करने के लिए आप लखनऊ यूनिवर्सिटी, बीबीएयू में एडमिशन ले सकते हैं.

5. **बीटेक इन रोबोटिक्स**
रोबोटिक्स में करियर बनाने के लिए आप रोबोटिक्स में बीटेक कर सकते हैं. देश के टॉप आईआईटीज में रोबोटिक्स में बीटेक कोर्स अवेलेबल है. रोबोटिक्स में इंजीनियरिंग ऑफर करने वाले इंस्टीट्यूट्स में आईआईटी कानपुर, आईआईटी जोधपुर, केएमसी लखनऊ शामिल हैं.

लॉ फैकल्टी को जीएचआरडीसी में सुपर एक्सीलैंस

देश में 10 वां तो यूपी में मिला पहला स्थान

LUCKNOW (19 APRIL): लखनऊ यूनिवर्सिटी की लॉ फैकल्टी को अपने इंफ्रास्ट्रक्चर, एजुकेशन सिस्टम, रिसर्च और प्लेसमेंट को लेकर कई रैंकिंग मिल चुकी हैं. इसी कड़ी में लॉ फैकल्टी को जीएचआरडीसी यानी ग्लोबल ह्यूमन रिसर्च डेवलपमेंट सेंटर द्वारा 2025 में लॉ इंस्टीट्यूट्स को लेकर किए गए सर्वेक्षण में एलयू लॉ फैकल्टी को सुपर एक्सीलैंस कैटेगरी में शामिल किया गया है. इस सर्वेक्षण में लॉ फैकल्टी को देश में दसवां और यूपी में पहला स्थान मिला है.

इस बेस पर होती है रैंकिंग

जीएचआरडीसी की एनुअल रैंकिंग कई क्राइटेरियाज पर आधारित होती है. जिसमें एजुकेशनल एक्सीलैंस, रिसर्च पब्लिकेशन, प्लेसमेंट रिकॉर्ड और इंडस्ट्रियल रिलेशन्स शामिल हैं. एलयू लॉ फैकल्टी को इनमें से एजुकेशनल एक्सीलैंस में 203.67, रिसर्च पब्लिकेशन में 160.27 और प्लेसमेंट में 145.47 नंबर मिले हैं.

वीसी ने दी बधाई

लॉ फैकल्टी को मिली इस सफलता को लेकर यूनिवर्सिटी के वीसी प्रो आलोक कुमार राय ने लॉ फैकल्टी को बधाई देते हुए कहा कि हमार संकाय निरंतर नई ऊंचाइयां प्राप्त कर रहा है, जो हमारे विश्वविद्यालय और राज्य के लिए गर्व का विषय है. लॉ फैकल्टी के डीन प्रो बीडी सिंह ने इस अचीवमेंट के बारे में बात करते हुए कहा कि यह उपलब्धि हमारी फैकल्टी की एजुकेशनल एक्सीलैंस, रिसर्च में कंसिस्टेंसी, और प्लेसमेंट रिकॉर्ड के प्रति प्रतिबद्धता का रिजल्ट है. यह उपलब्धि न केवल फैकल्टी की एक्सीलेंस का प्रमाण है बल्कि भविष्य में इसके डेवलपमेंट और विजन को मजबूत करने की दिशा में भी अहम कड़ी साबित होगी.

मेंटल हेल्थ अवेयरनेस की जरूरत पर चर्चा

एलयू में स्टूडेंट लाइफ एंड मेंटल हेल्थ को लेकर स्पेशल सेशन का आयोजन

LUCKNOW (19 APRIL): लखनऊ यूनिवर्सिटी के डिपार्टमेंट ऑफ साइकोलॉजी में शनिवार को एक मेंटल हेल्थ अवेयरनेस प्रोग्राम का आयोजन किया गया, जिसका सब्जेक्ट स्टूडेंट लाइफ इनर कैनवस था. जिसमें स्टूडेंट्स की लाइफ और मेंटल हेल्थ से जुड़े चैलेंजेस जैसे एग्जाम प्रेशर, लोनलीनेस, फैमिली इश्यूज और रिलेशनशिप इश्यूज को लेकर बात की गई. कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ संजीव सहाय ने स्टूडेंट्स को स्ट्रेस मैनेजमेंट के कुछ बेहद ही ईजी और क्विक तरीके बताए. इसके साथ ही उन्होंने सेल्फ पिटी सिंड्रोम, ईस्टरलिन पैराडॉक्स और ब्रेन रॉट जैसे टॉपिक्स के बारे में स्टूडेंट्स से बात की. डॉ सहाय ने स्टूडेंट्स को अपने टाइम के प्रति जागरूकता और एक्सपीरियंस्ड लर्निंग की महत्वता के बारे में बताया. डिपार्टमेंट की हेड प्रो मानिनी श्रीवास्तव ने भी स्टूडेंट्स से एक्सपीरियंस्ड लर्निंग एंड मेंटल हेल्थ अवेयरनेस की जरूरत के बारे में चर्चा की.

JAGRAN CITY PAGE III

लखनऊ विश्वविद्यालय का विधि संकाय टाप 10 में पहुंचा

जासं • लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय ने जीएचआरडीसी की 2025 रैंकिंग में 'अत्यधिक उत्कृष्टता' (सुपर एक्सीलेंस) श्रेणी में जगह बनाते हुए देशभर में 10वां, उत्तर प्रदेश में पहला और उत्तरी भारत में दूसरा स्थान हासिल किया है।

ग्लोबल ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट सेंटर (जीएचआरडीसी) की ओर से जारी ला इंस्टीट्यूट्स सर्वेक्षण 2025 में लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय को कई मानकों पर बेहतरीन प्रदर्शन के लिए यह सम्मान मिला है। यह उपलब्धि संस्थान की शैक्षणिक गुणवत्ता, अनुसंधान में सक्रियता और प्लेसमेंट रिकार्ड की मजबूत पकड़ को दर्शाती है। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने विधि संकाय को बधाई देते हुए कहा कि मेरा संकाय निरंतर नई ऊंचाइयां छू रहा है। यह हमारे विश्वविद्यालय और राज्य के लिए गर्व की बात है।

संकाय प्रमुख प्रो. बंशीधर सिंह ने बताया कि यह सफलता संकाय की टीमवर्क, गुणवत्ता-प्रधान शिक्षा और छात्रों के भविष्य निर्माण की प्रतिबद्धता का परिणाम है। यह रैंकिंग शैक्षणिक उत्कृष्टता, अनुसंधान प्रकाशन, बुनियादी सुविधाएं, उद्योग से संबंध और प्लेसमेंट जैसे मापदंडों पर आधारित होती है। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय ने प्रमुख श्रेणियों में शैक्षणिक उत्कृष्टता में 203.67 अंक, अनुसंधान प्रकाशन में 160.27 अंक, प्लेसमेंट में 145.47 अंक है।

HT PAGE 3

Session on Design your Degree at LU

LUCKNOW: An interactive session NEP 2020, 'Design your degree' was organised by the Faculty of Management Studies at Lucknow University on Saturday. Prof Umesh Rai, vice-chancellor, Jammu University, the Innovation Man and promoter of social impact inventions, was the keynote speaker during the programme.

Rai introduced the "Design Your Degree", a four-year undergraduate programme that provides flexibility in education, which was initiated under his leadership at Jammu University. This programme offers autonomy to curate the students' academic journey, aligning it with their individual talents and goals.

नवाचार को मिलेगा बढ़ावा

जासं • लखनऊ : लवि के प्रबंधन अध्ययन संकाय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020 पर आधारित एक संवादात्मक सत्र डिजाइन योर डिग्री आयोजित किया गया। इसमें जम्मू विश्वविद्यालय के कुलपति और प्राणी विज्ञानी प्रो . उमेश राय ने इस चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम की जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को जम्मू विश्वविद्यालय में इंटर्नशिप के लिए आमंत्रित भी किया। सत्र में विश्वविद्यालय के शिक्षक, शोधार्थी व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

सफलता चाहिए तो खुश रहिए : कर्नल डा . संजीव

मुख्य वक्ता सेवानिवृत्त कर्नल डा . संजीव सहाई को सम्मानित करतीं डा . मानिनी श्रीवास्तव व साथ में विभाग के छात्र • जागरण

जासं • लखनऊ: यदि आप जीवन में सफलता चाहते हैं तो खुश रहना बेहद जरूरी है। अशांत और तनावग्रस्त व्यक्ति अपेक्षाकृत कम सफल होते हैं। यह विचार सेवानिवृत्त कर्नल डा. संजीव सहाय ने शनिवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के सभागार में आयोजित मानसिक स्वास्थ्य जागरुकता कार्यक्रम में व्यक्त किए। कार्यक्रम साइको अवेयर फाउंडेशन व नचिकेता अवेयरनेस सोसाइटी के सहयोग से आयोजित हुआ। इसकी थीम 'छात्र जीवनः द इनर कैनवास' रही।

डा. सहाय ने कहा कि अभिभावकों को अपनी अपेक्षाएं बच्चों पर नहीं थोपनी चाहिए। हर बच्चे की एक अलग प्रतिभा होती है, जिसे समझकर उसके अनुसार आगे बढ़ाना बेहतर होता है। उन्होंने छात्रों को परीक्षा के दबाव, अकेलेपन, पारिवारिक तनाव और रिश्तों की उलझनों से निपटने के व्यावहारिक उपाय बताए। मनोविज्ञान की दृष्टि से उन्होंने बताया कि 98 प्रतिशत लोग औसत जीवन जीते हैं, जबकि केवल दो प्रतिशत लोग समय प्रबंधन और लक्ष्य निर्धारण से असाधारण जीवन पाते हैं। कर्नल सहाय ने वीयूसीए, सेल्फ-पिटी सिंड्रोम, ईस्टरलाइन पैराडॉक्स और ब्रेन राट जैसे आधुनिक मनोवैज्ञानिक अवधारणाओं के माध्यम से जीवन में लक्ष्य निर्धारण और संबंधों को मजबूत करने की उपयोगी बातें साझा कीं। उन्होंने कहा कि जीवन के पांच निर्णय अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं, पेशा, दोस्त, पढ़ी जाने वाली किताबें, विवाह और बच्चे। कार्यक्रम में डा. मानिनी श्रीवास्तव, पल्लवी शुक्ला, राधिका मिश्रा, हर्षिका यादव, अदिति यादव, हर्ष तिवारी और चंद्र सिंह समेत कई छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

AMRIT VICHAR PAGE 7

डिजाइन योर डिग्री पर संवाद सत्र आयोजित

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रबंधन अध्ययन संकाय में शनिवार को डिजाइन योर डिग्री पर संवाद सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जम्मू विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. उमेश राय ने डिजाइन योर डिग्री कार्यक्रम की जानकारी दी। यह एक चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम है और शिक्षा में स्वतंत्रता एवं लचीलापन प्रदान करता है। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों को उनके रुचि एवं प्रतिभा के अनुरूप अपनी शैक्षणिक यात्रा को स्वयं निर्धारित करने की स्वतंत्रता देता है। इस अवसर पर लविवि के कुलपति प्रो. आलोक राय, प्रो. संगीता साहू, प्रो. शैली मलिक सहित कई अन्य लोग मौजूद थे।

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 1, 5

लविवि: विधि संकाय को मिला राष्ट्रीय स्तर पर 10वां स्थान

लखनऊ। ग्लोबल ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट सेंटर (जीएचआरडीसी) ने 2025 के लॉ इंस्टीट्यूट्स सर्वेक्षण में लखनऊ विश्वविद्यालय का विधि संकाय 'अत्यधिक उत्कृष्टता' (सुपर एक्सीलेंस) श्रेणी में स्थान पाने वाले अग्रणी संस्थानों में शामिल हो गया। इस सर्वेक्षण में लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय ने राष्ट्रीय स्तर पर 10वां स्थान, उत्तर प्रदेश में प्रथम स्थान और उत्तरी भारत में द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। (विवरण पेज 05 पर)

लविवि : विधि संकाय को मिला राष्ट्रीय स्तर पर 10वां स्थान

लखनऊ। ग्लोबल ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट सेंटर (जीएचआरडीसी) ने 2025 के लॉ इंस्टीट्यूट्स सर्वेक्षण में लखनऊ विश्वविद्यालय का विधि संकाय 'अत्यधिक उत्कृष्टता' (सुपर एक्सीलेंस) श्रेणी में स्थान पाने वाले अग्रणी संस्थानों में शामिल हो गया। इस सर्वेक्षण में लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय ने राष्ट्रीय स्तर पर 10वां स्थान, उत्तर प्रदेश में प्रथम स्थान और उत्तरी भारत में द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने इस उपलब्धि पर विधि संकाय को बधाई देते हुए कहा कि मेरा संकाय निरंतर नई ऊंचाइयां प्राप्त कर रहा है, जो हमारे विश्वविद्यालय व राज्य के लिए गर्व का विषय है। इस दौरान प्रो वंशीधर सिंह ने इस सफलता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह उपलब्धि हमारे संकाय की शैक्षणिक उत्कृष्टता, अनुसंधान में निरंतरता व प्लेसमेंट रिकॉर्ड के प्रति प्रतिबद्धता का परिणाम है। उन्होंने बताया कि जीएचआरडीसी की वार्षिक रैंकिंग विभिन्न मापदंडों पर आधारित होती है, जिनमें शैक्षणिक उत्कृष्टता, अनुसंधान प्रकाशन, बुनियादी सुविधाएं, प्लेसमेंट रिकॉर्ड और उद्योग से संबंध प्रमुख है। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय ने इन मापदंडों में विशेष रूप से शैक्षणिक उत्कृष्टता में 203.67 अंक, अनुसंधान प्रकाशन में 160.27 अंक और प्लेसमेंट में 145.47 अंक प्राप्त किए है।

लविवि में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम

लखनऊ। लविवि के मनोविज्ञान विभाग के तत्वावधान में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के नेतृत्व और विभागाध्यक्ष एवं संयोजक डा. मानिनी श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम साइकोअवेयर फाउंडेशन और निचिकेता अवेयरनेस सोसाइटी के सहयोग से संपन्न हुआ। साइकोअवेयर फाउंडेशन की सह-संस्थापक टीम में पल्लवी शुक्ला, राधिका मिश्रा (कोऑर्डिनेटर), हर्षिका यादव (टेक प्रमुख) और आदिति यादव (प्रबंधक) शामिल रहीं। कार्यक्रम का विषय था 'छात्र जीवन : भीतरी कैनवस', जिसमें छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी चुनौतियों जैसे परीक्षा का तनाव, अकेलापन, पारिवारिक अपेक्षाएं और संबंधों की उलझन पर केंद्रित चर्चा हुई। मुख्य वक्ता कर्नल डा. संजीव सहाय (सेवानिवृत्त) ने छात्रों को तनाव से निपटने की व्यावहारिक रणनीतियां सुझाईं। अंत में प्रतिभागियों को 'क्लोजर कार्ड्स' वितरित किए गए।

प्रबंधन अध्ययन संकाय में 'डिजाइन योर डिग्री' पर संवादात्मक सत्र

लखनऊ (एसएनबी)। लविवि में शनिवार को 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020' पर आधारित एक संवादात्मक सत्र 'डिजाइन योर डिग्री' का आयोजन प्रबंधन अध्ययन संकाय में किया गया। कार्यक्रम की संकल्पना कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने की थी। इस अवसर पर उन्होंने जम्मू विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. उमेश राय को आमंत्रित किया, जो नवाचार के पुरोधा और सामाजिक प्रभाव वाले आविष्कारों के समर्थक हैं। संवादात्मक सत्र में प्रो. उमेश राय ने 'डिजाइन योर डिग्री' कार्यक्रम की जानकारी दी, जो चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम है और शिक्षा में स्वतंत्रता एवं लचीलापन प्रदान करता है। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों को उनके रुचि एवं प्रतिभा के अनुरूप अपनी शैक्षणिक यात्रा को स्वयं निर्धारित करने की स्वतंत्रता देता है। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रबंधन अध्ययन संकाय की अधिष्ठाता प्रो. संगीता साहू के स्वागत भाषण से हुआ। कार्यक्रम का समन्वय प्राणीविज्ञान विभाग की प्रो. शैली मलिक द्वारा किया गया। सत्र में विभिन्न संकायों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, विश्वविद्यालय के विभिन्न संस्थानों और केन्द्रों के निदेशक एवं समन्वयक, विभिन्न विभागों एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों के शिक्षकगण, शोधार्थी एवं स्नातकोत्तर छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सम्‍ापन प्रो. शैली मलिक के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

लविवि का विधि संकाय अव्वल

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय ने ग्लोबल ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट सेंटर (जीएचआरडीसी) की ओर से जारी लॉ इंस्टीट्यूट सर्वेक्षण 2025 में उत्कृष्ट श्रेणी में स्थान हासिल किया है। संकाय ने प्रदेश में पहला, राष्ट्रीय स्तर पर 10वां और उत्तर भारत में दूसरा स्थान हासिल किया है। विधि संकायाध्यक्ष प्रो. बीडी सिंह ने बताया कि जीएचआरडीसी वार्षिक रैंकिंग के लिए शैक्षणिक उत्कृष्टता, अनुसंधान प्रकाशन, बुनियादी सुविधाएं, प्लेसमेंट रिकॉर्ड और उद्योग से संबंध जैसे मानकों को परखा जाता है। इसमें लविवि ने शैक्षणिक उत्कृष्टता में 203.67, अनुसंधान प्रकाशन में 160.27 और प्लेसमेंट में 145.47 अंक प्राप्त किए हैं। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि यह उपलब्धि हमारे संकाय की शैक्षणिक उत्कृष्टता, अनुसंधान में निरंतरता और प्लेसमेंट रिकॉर्ड के प्रति प्रतिबद्धता का परिणाम है। (संवाद)